BINOD BIHARI MAHTO KOYALANCHAL UNIVERSITY
Dhanbad, Jharkhand - 828130
E-mail:- registrarbbmku@gmail.com

Notification

In exercise of the powers vested in him under the Jharkhand State Universities Act 2000 as amended up-to-date, the Vice-Chancellor is pleased to constitute a Board of Studies (BOS) for the Department of Hindi, comprising of following members for a period of one year from the date of notification :

1. Dr. Bhagwan Pathak,
   Head, University Department of Hindi,
   BBMKU. - Chairman
2. Dr. Mritunjay Kumar Singh,
   University Department of Hindi, BBMKU. -Member
3. Dr. Rita Singh,
   University Department of Hindi, BBMKU. -Member
4. Dr. Mukund Ravidas,
   University Department of Hindi, BBMKU. -Member
5. Dr.Birendra Kumar Singh,
   Head, Department of Hindi,
   Chas College, Chas. -Member
6. Dr. Sanjay Kumar Singh,
   Head, Department of Hindi,
   P.K.Roy Memorial College, Dhanbad. -Member

By order of the Vice-Chancellor
Sd/-
Registrar

Memo No. BBMKU/R/1275/2022 Date 13.09.2022

Copy to: -

1. Persons concerned.
2. Dean, Faculty of Science, BBMKU.
3. Establishment Section, BBMKU, Dhanbad.
4. P.A. to VC/PVC/F.A./R for information to VC/PVC/F.A./R.
5. Guard File.

13/09/22
Registrar
BBMKU, Dhanbad.

13/9/22

Local Disk D/Madan Gopal/Esstt./DRC/BBMKU/2022/ 2

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

MJ -01	हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं आदिकाल
MJ -02	हिन्दी साहित्य का मध्यकाल (भक्तिकाल एवं रीतिकाल)
MJ -03	आधुनिक काल और साहित्य (भारतेन्दु–युग से छायावाद तक)
MJ -04	आधुनिक काल और साहित्य (प्रगतिवाद से नई कविता तक)
MJ -05	काव्यशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)
MJ -06	आधुनिक काल के गद्य साहित्य का इतिहास (कहानी एवं उपन्यास)
MJ -07	आधुनिक काल के गद्य साहित्य का इतिहास (नाटक एवं एकांकी)
MJ -08	आधुनिक काल के गद्य साहित्य का इतिहास (निबंध, आलोचना, संस्मरण एवं रेखाचित्र)
MJ -09	जनसंचार एवं पत्रकारिता
AMJ -01	उपन्यास अथवा कहानी अथवा जीवनी एवं आत्मकथा
AMJ -02	नाटक अथवा एकांकी अथवा संस्मरण एवं रेखाचित्र
AMJ -03	कबीर अथवा सूरदास अथवा तुलसीदास
AMJ -04	राष्ट्रभाषा हिन्दी अथवा राजभाषा हिन्दी अथवा कामकाजी हिन्दी

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

प्रथम समसत्र

विषय कोड – MJ-01

क्रेडिट – 06

कुल अंक – 100

(आंतरिक मूल्यांकन – 25)

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं आदिकाल

इकाई 1 : हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ, हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण (क्रेडिट–02)

इकाई 2 : आदिकाल की पृष्ठभूमि, नामकरण (क्रेडिट–01)

इकाई 3 : आदिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य का परिचय (क्रेडिट–02)

इकाई 4 : आदिकालीन कवि : (क्रेडिट–01)

अमीर खुसरो

1. एक थाल मोती से भरा .....एक ना गिरे।
2. एकनार ने अचरज किया ..... सांप मर जाए।।
3. उज्जल बरन, अधीन तन.....पाप की खान।।
4. गोरी सोवै सेज पर .....भई चहुं देश।।

विद्यापति– विद्यापति पदावली (सं॰ – रामवृक्ष बेनीपुरी)

1. वंदना– नन्दक नन्दन कदम्बेरि.....
2. राधा की वंदना– देख देख राधा रूप अपार .....
3. देवी वंदना– जय–जय भैरवि असुर भयावनि.....
4. वयः संधि– सैसव जौवन मिलि गेल.....

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

द्वितीय समसत्र

विषय कोड – MJ-02 कुल अंक – 100

क्रेडिट – 06 (आंतरिक मूल्यांकन– 25)

हिन्दी साहित्य का मध्यकाल (भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

इकाई 1 : भक्ति आन्दोलन की पृष्ठभूमि, भक्तिकाल की प्रेरक परिस्थितियाँ, (क्रेडिट–02)
भक्ति–भावना का उद्‌भव और विकास, भक्तिकाल की
मुख्य प्रवृत्तियाँ, भक्तिकालीन विभिन्न काव्यधाराएँ

इकाई 2 : कबीर, जायसी, सूरदास एवं तुलसीदास के पदों/दोहों का अध्ययन (क्रेडिट–01)

कबीर : 1. दुलहिनि तोहि पिय के घर जाना.....
2. रस गगन गुफा में अजर झरै .....
3. मन न रँगाये, रँगाये जोगी कपड़ा.....

जायसी : 1. का सिंगार ओहि बरनौं राजा.....
2. बरनौं माँग सीस उपराहीं.....
3. नैन बाँक, सरि पूज न कोऊ.....

सूरदास : 1. चरन कमल बंदौं हरिराई.....
2. जसोदा हरि पालनैं झुलावै .....
3. निसि दिन बरषत नैन हमारे.....

तुलसीदास : 1. अब लौं नसानी, अब ना नसैहौं....
2. जाके प्रिय न राम वैदेही.....
3. मन पछितैहै अवसर बीते.....

इकाई 3 : रीतिकाल : साहित्य की प्रेरक परिस्थितियाँ, नामकरण, मुख्य प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्यधाराएँ (क्रेडिट–02)

इकाई 4 : पद्‌माकर, बिहारी, भूषण एवं घनानंद के पदों/दोहों का अध्ययन (क्रेडिट–01)

पद्‌माकर : 1. कूल में केलि में कछारन में कुंजन में .....
2. गोकुल के कुल के गली के गोप गाउन के.....
3. प्रानन के प्यारे तन ताप के हारनहारे....

बिहारी : 1. मेरी भव बाधा हरौ.....
2. नहिं पराग, नहिं मधुर मधु.....
3. दीरघ साँस न लेहि दुःख.....
4. दृग उरझत टूटत कुटुम.....

भूषण : 1. साजि चतुरंग सैन अंग में उमंग धरि ....
2. चकित चकत्ता चौंकि उठै बार बार .....
3. आपस की फूट ही तें सारे हिन्दस्तान टूटे....

घनानंद : 1. अति सूधो सनेह को मारग है....
2. जिन आँखिनि रुप चिन्हारि भई...
3. परकाजहि देह को धारि फिरौ...

17/10/22 17.10.22 17-10-22 17/10/22 17/10/22

अनुशंसित पुस्तके :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं॰ डॉ॰ नगेन्द्र
3. मध्यकालीन हिन्दी साहित्य : डॉ॰ शिवनंदन सिन्हा, अमर प्रकाशन, मथुरा
4. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ॰ गणपति चन्द्र गुप्त
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ॰ बच्चन सिंह

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

प्रथम समसत्र

विषय कोड – MIL Hindi

क्रेडिट – 06

कुल अंक – 100

(आंतरिक मूल्यांकन – 25)

इकाई – 1 : कुरूक्षेत्र – रामधारी सिंह दिनकर (क्रेडिट–02)

इकाई – 2 : हिन्दी कहानी : (क्रेडिट–02)

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी

पंच परमेश्वर -- प्रेमचंद

आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद

गेंद और गोल – राधाकृष्ण

इकाई – 3 : निबंध, संक्षेपण, पल्लवन, पत्र–लेखन (क्रेडिट–01)

इकाई – 4 : पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, लिंग–निर्णय, अनेक शब्दों के बदले एक शब्द, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ (क्रेडिट–01)

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

प्रथम समसत्र

विषय कोड – MIL (NH)

क्रेडिट – 03

कुल अंक – 50

इकाई – 1 : भगवान बिरसा – डॉ॰ शेष आनन्द मधुकर (क्रेडिट–01)

इकाई – 2 : निबंध, पत्र–लेखन (क्रेडिट–01)

इकाई – 3 : पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, लिंग–निर्णय, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ (क्रेडिट–01)

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

चतुर्थ समसत्र

विषय कोड – MN - 01

क्रेडिट – 06

कुल अंक – 100

(आंतरिक मूल्यांकन – 25)

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)

इकाई – 1 : आदिकाल : नामकरण, प्रवृत्तियां, रासो काव्य–परंपरा (क्रेडिट–01)

इकाई – 2 : भक्तिकाल : संत काव्य परंपरा और सूफी काव्य–परंपरा (क्रेडिट–02)

इकाई – 3 : भक्तिकाल : कृष्ण काव्य परंपरा और राम काव्य–परंपरा (क्रेडिट–02)

इकाई – 4 : रीतिकाल : नामकरण, प्रवृत्तियां (प्रमुख कवियों का विशेष अध्ययन) (क्रेडिट–01)

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

पंचम समसत्र

विषय कोड – MN - 02

क्रेडिट – 06

कुल अंक – 100

(आंतरिक मूल्यांकन – 25)

आधुनिक काल (गद्य साहित्य)

इकाई – 1 : हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (क्रेडिट–01)

इकाई – 2 : हिन्दी नाटक का विकास और जयशंकर प्रसाद (क्रेडिट–02)

इकाई – 3 : हिन्दी कहानी का विकास, कहानीकार चंद्रधर शर्मा गुलेरी (क्रेडिट–01)

इकाई – 4 : हिन्दी उपन्यास का विकास, उपन्यासकार प्रेमचंद (क्रेडिट–01)

इकाई – 5 : हिन्दी निबंध का विकास, निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल (क्रेडिट–01)

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

षष्टम् समसत्र

विषय कोड – MN - 03

क्रेडिट – 06

कुल अंक – 100

(आंतरिक मूल्यांकन – 25)

इकाई – 1 : भारतेन्दु एवं दिवेद्वीयुग की काव्यगत प्रवृतियाँ (क्रेडिट–02)

इकाई – 2 : छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, : प्रवृतियाँ (क्रेडिट–01)

इकाई – 3 : नई कविता, समकालीन कविता : प्रवृतियाँ (क्रेडिट–01)

इकाई – 4 : कविता : भिक्षुक –सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (क्रेडिट–01)

सिन्दूर तिलकित भाल – नागार्जून

गीतफरोश – भवानी प्रसाद मिश्र

मोचीराम – धूमिल